कॉलेज के सर्वोत्तम अभ्यास

किसी संस्थान की सर्वोत्तम प्रथाएं आमतौर पर वह मानदंड होते हैं जो वह अपने लिए और समाज में दूसरों के लिए निर्धारित करना चाहता है। उच्च शिक्षा का एक संस्थान होने के नाते हमें भेदभाव और अभाव से मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका का एहसास है। अपनी भूमिका को इसी दिशा में पूरा करने के लिए, राजकीय कला कन्या महाविद्यालय, कोटा हाड़ौती में निरंतर प्रयासरत है |

यह संस्थान ऐसे विभिन्न अकादमिक और गैर अकादमिक कार्यों में संलग्न हैं, जिन्हें सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में जाना जा सकता है। हमारे प्रमुख सर्वोत्तम अभ्यास हैं :

कौशल विकास कार्यक्रम

उद्देश्य:

1. एक मजबूत नींव रखना ताकि छात्राएं प्रतिस्पर्धी माहौल में प्रतिस्पर्धा कर सकें।
2. फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) के माध्यम से फैकल्टी सदस्यों ने छात्राओं को अपडेट किया, ताकि वे प्रतिस्पर्धी दुनिया की स्पर्धा के लिए खुद को तैयार कर सकें।
3. उद्योग के मूल्यांकन परीक्षण का सामना करने के लिए छात्रों में बुनियादी योग्यता विकसित करना।
4. विभिन्न कार्यक्रमों और आकलनों के माध्यम से छात्रों को 360 डिग्री विकास प्रदान करना।
5. समय-समय पर उद्योग के विशेषज्ञों को छात्रों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित करना ताकि छात्राओं को कॉर्पोरेट काम के माहौल से अवगत कराया जा सके।
6. छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए व्यक्तित्व विकास और प्रेरणादायक कक्षाओं का आयोजन करना।

अभ्यास : कॉलेज ने कई गैर सरकारी संगठनों के साथ अपनी सामाजिक भागीदारी का प्रयास किया है | प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक माह का निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसमें कोटा शहर में पदस्थ राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। टी.डी.पी. विभाग को इंडस्ट्री एकेडमिक प्रतिभागिता को विकसित करने की दिशा में वी.बी.एल. इनोवेशनस् प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरू द्वारा एक प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर दिया गया है। जिसमें विभाग को कलाई घड़ी के सस्टेनेबल रिस्ट बैंड विकसित करने हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक माह के निःशुल्क प्रशिक्षण के इस शिविर कार्यक्रम में कोटा शहर में पदस्थ राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया।

इस वर्ष राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण कर दृष्टि बाधित छात्रा नाहिद ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ,कोटा के रूप में पदभार ग्रहण किया है |

कोटा के जनशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षक श्री ओमप्रकाश जी ने छात्राओं को स्क्रीन प्रिंटिंग का प्रशिक्षण दिया। दिनांक 25 फरवरी 2022 को भाटिया एण्ड भाटिया कंपनी द्वारा प्लेसमेंट शिविर का आयोजन

किया गया जिसमें 55 छात्राओं ने भाग लिया, 48 छात्राओं का इन्टरव्यू लिया गया। कम्पनी द्वारा चार छात्राओं को जॉब लेटर दिया गया| रंगरोगन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को फर्नीचर को पेंट करने का प्रशिक्षण दिया गया।

सीखो-कमाओं योजना : राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में सीखो-कमाओ योजना को संचालित करने वाला यह एक मात्र महाविद्यालय है।

इस योजना के अंतर्गत छात्राएं रुचि एवं कौशल के अनुसार अतिरिक्त कालांशों में कौशल विकास केंद्र की गतिविधियों में भाग लेती हैं | हुनर और कौशल को पारिश्रमिक के रूप में पाकर छात्राएं आत्मनिर्भर हो रही हैं | सत्र 2021-22 में छात्राओं द्वारा चाय-नाश्ते की स्टॉल नियमित रूप से लगाई गई , इस गतिविधि से छात्राओं में स्वयं के रोजगार के लिए उत्साह पैदा हो रहा है एवं व्यापार की बारीकियां जानने को मिल रही हैं।

समुदाय आधारित कार्यक्रम

उद्देश्य: छात्राओं के मन में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना, समुदाय की जरूरतों को पूरा करने वाली सार्थक सेवा में छात्राओं को शामिल करना, छात्राओं को कौशल, दृष्टिकोण और ज्ञान से समाहित करना ताकि वे समाज के पिछड़े वर्गों के लिए काम कर सकें जिस समुदाय में वे रहते हैं उसे समझने के लिए और अपने समुदाय के संबंध में खुद को समझने के लिए आपस में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करें |

अभ्यास : कोरोना महामारी के दौरान एन.सी.सी कैडेट्स द्वारा निर्मित मास्कों का जरूरत मंद व्यक्तियों के लिए वितरण कार्यक्रम इनमें से एक है | साथ ही विभिन्न स्मारकों, स्टेच्यू की सफाई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया |

डॉ. भीमराव अम्बेडकर फॉउंडेशन अम्बेडकर, राजस्थान सरकार मूण्डला जयपुर के तत्वावधान में कोरोना जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सत्रपर्यन्त प्रति सप्ताह एक घण्टे कोरोना जागरूकता हेतु प्रश्नोत्तरी, भाषण, निबंध, नारा, रैली, व्याख्यान आदि विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

बड़ी संख्या में छात्राएं एनसीसी एवं एनएसएस , रोवर रेंजरिंग, उपभोक्ता क्लब, मानवाधिकार क्लब, कम्यूनिटी कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से वंचित समुदायों के बच्चों के लिए, महिलाओं के मुद्दों, विकलांग बच्चों, पर्यावरण के मुद्दों और मानवाधिकारों के मुद्दों पर काम करते हैं। इसी संदर्भ में घर-घर औषधि वितरण कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधा वितरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता उत्पन्न करने के लिए बस्तियों में पेम्फ्लेट वितरित किए एवं नशे के दुष्प्रभावों पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। जिसमें छात्राओं ने अभिनय के द्वारा नशे के सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव एवं कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के बारे में जानकारी दी। नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच एवं कानूनी परामर्श देने का कार्य भी संस्थान द्वारा करवाया जाता है |

कॉलेज का गांधी अध्ययन केंद्र रक्तदान शिविर के माध्यम से अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है|

नवाचार एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तहत वर्ष 2020-21 में अक्षम कल्याण संस्थान कोटा की सहभागिता में कोरोना वैक्सीनेशन शिविर लगाया गया|

कॉलेज में दिशा प्रकोष्ठ कार्यरत है जिसका काम मोटे तौर पर काम में सर्वेक्षण करना, जागरूकता अभियान आयोजित करना, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देना है। दिशा केंद्र के तत्वावधान में महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर कार्यशाला आयोजित कर छात्राओं को उनके स्वास्थ्य व पोषण से संबंधित उपयोगी जानकारी दी।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम (हरित पहल)

उद्देश्य: पर्यावरणी में तेजी से हो रही गिरावट वैश्विक चिंता का कारण है। विश्व समुदाय के नागरिकों के रूप में यह जरूरी है कि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी से कार्य करे| कॉलेज का मानना है कि एक हरित परिसर में स्वस्थ, जीवन शैली अपनाने को प्रोत्साहित करके ही छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जा सकता है | कई हरित पहलों को अपना कर और उनके सतत अभ्यास के माध्यम से छात्रों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने का प्रयास करता है

प्रसंग: कॉलेज शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्र में स्थित है और यहां आसपास घने आवासीय और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान हैं| जनसंख्या की मांग, जल संसाधनों और बिजली पर दबाव, वाहनों से होने वाला प्रदूषण क्षेत्र की कुछ समस्याएं हैं। 50 वर्ष से अधिक पुराने भवन में संचालित होने के कारण बदलती जीवन शैली से निपटने के लिए कॉलेज की संरचना सुसज्जित नहीं है और संसाधनों की कमी भी है तदपि सीमित संसाधनों के बावजूद कॉलेज ने बुनियादी ढांचे को बनाए रखते हुए परिसर को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनने के लिए कदम उठाए हैं |

अभ्यास: पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी संस्थान होने का एक उदाहरण स्थापित करने और सभी को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करने के लिए इस कॉलेज ने निम्नलिखित अभ्यास शुरू किए हैं:

1. सौर ऊर्जा: कॉलेज ने 50 केवीए रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किए हैं और इसे मौजूदा राजस्थान राज्य विधयुत सप्लाई के साथ जोड़ा है|
2. रेन वाटर हार्वेस्टिंग : बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन की सुविधा है। कॉलेज की इमारत के चारों ओर बारिश का पानी मिट्टी के माध्यम से रिस कर परिसर को हरा रखता है साथ ही भूमिगत जल भंडार की पुनःपूर्ति हो जाती है।
3. कम्पोस्टिंग: नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा किचिन वेस्ट और परिसर में फैले सूखे कचरे से खाद का निर्माण किया जाता है | इस उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए कंपोस्ट बिक्री के लिए भी रखा गया है |

जैविक बागवानी, घरों में ठोस कचरा प्रबंधन पर नियमित रूप से कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है

4. कागज की बचत: कालेज कागज के उपयोग को कम करने की दिशा में भी काम कर रहा है| दस्तावेजों के डिजिटलीकरण किया जा रहा है जिसमें छात्रों के अकादमिक विवरणों का डिजिटल प्रबंधन शामिल है|
5. शहर के प्रत्येक कोनों की स्वच्छता के लिए जे.सी.आई कोटा तथा वॉरियर्स ऑफ नाईट द्वारा 'स्वच्छता सर्वेक्षण एक जागरूकता अभियान चलाया।
6. वन विभाग एवं रोटरी क्लब के मध्य से वृक्षारोपण एवं औषधीय पौधों का वितरण एवं रोपण संस्थान की नियमित गतिविधि का हिस्सा हैं |
7. स्वच्छता शिविर, जागरूकता रैली, प्रेरक और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से कैंपस को पॉलीथिन मुक्त बनाने के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं |

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम :

उद्देश्य: समाज में ऐसी लड़कियां हैं जो मेधावी है , ऊर्जावान हैं और करियर के लक्ष्यों के प्रति निष्ठा से समर्पित हैं, फिर भी उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का समान अवसर नहीं मिलता है। हम इसे समझते हैं और न केवल अपनी छात्राओं को बल्कि समाज से वंचित लोगों को भी एक सुरक्षित और स्वस्थ विकास उन्मुख वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संस्थान ने अपने लैंगिक लक्ष्य इस प्रकार निर्धारित किए हैं: लैंगिक भेदभाव के विभिन्न आयामों पर छात्राओं को संवेदनशील बनाना। छात्राओं को ऐसी गतिविधियों में शामिल करना जो उन्हें लैंगिक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में काम करने के लिए सशक्त बनाएं।

अभ्यास : नंदी फॉउन्डेशन के तहत महाविद्यालय की 92 एनसीसी कैडेट्स को व्यक्तित्व विकास एवं वुमन कैरियर एन्हेंस्मेंट कार्यक्रम के अंतर्गत 40-40 घण्टे का प्रशिक्षण दिया गया | प्रसार भारती आकाशवाणी द्वारा प्रायोजित 'भारत की बेटी एक विमर्श' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कॉलेज लैंगिक समानता के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में कई कार्यक्रम चला रहा है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने पर अकादमिक गोष्ठियाँ , जागरूकता और कार्रवाई उन्मुख कार्यक्रम हमारे संस्थान का नियमित हिस्सा हैं। ऐसी कुछ पहल इस प्रकार हैं: महिला प्रकोष्ठ और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम प्रकोष्ठ नियमित आधार पर लैंगिक समानता और सुरक्षा पर कार्यशालाओं का आयोजन करता है। महिला अधिकारों के प्रति छात्रों और संकाय सदस्यों को संवेदनशील बनाने के लिए कानूनी जागरूकता व्याख्यान, परामर्श कार्यशालाओं का आयोजन भी इस संस्थान की नियमित गतिविधियों का हिस्सा है।